Shree Hanuman Chalisa in Marathi (दोहा)

श्रीगुरु चरन सरोज रज निज मनु मुकुरु सुधारि ।
बरनउँ रघुबर बिमल जसु जो दायकु फल चारि ॥

श्रीगुरु चरन सरोज रज निज मनु मुकुरु सुधारि ।
बरनउँ रघुबर बिमल जसु जो दायकु फल चारि ॥

Shree Hanuman Chalisa Lyrics Marathi (चौपाई) /

॥०१॥

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर ।
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर ॥

॥०२॥
राम दूत अतुलित बल धामा ।
अंजनी-पुत्र पवनसुत नामा ॥

॥०३॥
महाबीर बिक्रम बजरंगी ।
कुमति निवार सुमति के संगी ॥

॥०४॥
कंचन बरन बिराज सुबेसा ।
कानन कुण्डल कुंचित केसा ॥

॥०५॥
हाथ बज्र और ध्वजा बिराजै ।
काँधे मूँज जनेऊ साजै ॥

॥०६॥
संकर सुवन केसरी नंदन ।
तेज प्रताप महा जग बन्दन ॥

॥०७॥
बिद्यावान गुनी अति चातुर ।
राम काज करिबे को आतुर ॥

॥०८॥
प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया ।
राम लखन सीता मन बसिया ॥

॥०९॥
सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा ।
बिकट रूप धरि लंक जरावा ॥

॥१०॥
भीम रूप धरि असुर सँहारे ।
रामचन्द्र के काज सँवारे ॥

॥११॥
लाय संजीवन लखन जियाये ।
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये ॥

॥१२॥
रघुपति किन्ही बहुत बड़ाई ।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई ॥

॥१३॥
सहस बदन तुम्हरो जस गावैं ।
अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं ॥

॥१४॥
सनकादिक ब्रम्हादि मुनीसा ।
नारद सारद सहित अहीसा ॥

॥१५॥
जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते ।
कबि कोबिद कहि सके कहाँ ते ॥

॥१६॥
तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा ।
राम मिलाय राज पद दीन्हा ॥

॥१७॥
तुम्हरो मंत्र बिभीषन माना ।
लंकेस्वर भए सब जग जाना ॥

॥१८॥
जुग सहस्त्र जोजन पर भानु ।
लील्यो ताहि मधुर फल जानू ॥

॥१९॥
प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं ।
जलधि लाँघि गये अचरज नाहीं ॥

॥२०॥
दुर्गम काज जगत के जेते ।
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ॥

॥२१॥
राम दुआरे तुम रखवारे ।
होत न आज्ञा बिनु पैसारे ॥

॥२२॥
सब सुख लहै तुम्हारी सरना ।
तुम रच्छक काहू को डर ना ॥

॥२३॥
आपन तेज सम्हारो आपै ।
तीनों लोक हाँक तें काँपै ॥

॥२४॥
भूत पिसाच निकट नहिं आवै ।
महाबीर जब नाम सुनावै ॥

॥२५॥
नासै रोग हरै सब पीरा ।
जपत निरन्तर हनुमत बीरा ॥

॥२६॥
संकट तें हनुमान छुडावे ।
मन क्रम बचन ध्यान जो लावै ॥

॥२७॥
सब पर राम तपस्वी राजा ।
तिन के काज सकल तुम साजा ॥

॥२८॥
और मनोरथ जो कोई लावै ।
सोहि अमित जीवन फल पावै ॥

॥२९॥
चारो जुग परताप तुम्हारा ।
है परसिद्ध जगत उजियारा ॥

॥३०॥
साधु सन्त के तुम रखवारे ।
असुर निकन्दन राम दुलारे ॥

॥३१॥
अष्टसिद्धि नौ निधि के दाता ।
अस बर दीन जानकी माता ॥

॥३२॥
राम रसायन तुम्हरे पासा ।
सदा रहो रघुपति के दासा ॥

॥३३॥
तुम्हरे भजन राम को पावै ।
जनम जनम के दुख बिसरावै ॥

॥३४॥
अन्त काल रघुबर पुर जाई ।
जहाँ जन्म हरिभक्त कहाई ॥

॥३५॥
और देवता चित्त न धरई ।
हनुमत सेही सर्ब सुख करई ॥

॥३६॥
संकट कटै मिटै सब पीरा ।
जो सुमिरे हनुमत बलबीरा ॥

॥३७॥
जय जय जय हनुमान गोसाईं ।
कृपा करहु गुरुदेव की नाईं ॥

॥३८॥
जो सत बार पाठ कर कोई ।
छूटहि बन्दि महा सुख होई ॥

॥३९॥
जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा ।
होय सिद्धि साखी गौरीसा ॥

॥४०॥

तुलसीदास सदा हरि चेरा ।
कीजै नाथ हृदय मह डेरा ॥

Marathi Hanuman Chalisa Lyrics

StatusBeast